पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

‘बॉर्डर 2’ के बाद अहान शेट्टी का बड़ा कदम

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 279 ■ मंगलवार 3 फरवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

आज महापौर-उपमहापौर की घोषणा

मनपा पर प्रशासक राज खत्म

महापौर अश्विनी निकम व उपमहापौर अमर लुंड आज पद ग्रहण करेंगे

■ **उल्हासनगर मनपा में भाजपा-शिवसेना महायुति की सत्ता होगी विराजमान**

■ **पीठासीन अधिकारी के रूप में रत्नागिरी के जिलाधिकारी मनुज जिंदल होंगे मौजूद**

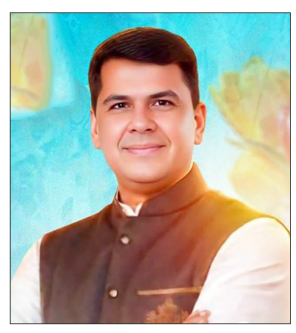

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका में आज महापौर-उपमहापौर चुनाव की औपचारिक घोषणा होने जा रही है। आज मनपा में चार वर्षों बाद विशेष सभा का आयोजन दोपहर 1 बजे किया गया है जहां सभी 78 सदस्यों की उपस्थिति में पीठासीन अधिकारी के रूप में रत्नागिरी के जिलाधिकारी मनुज जिंदल महापौर-उपमहापौर चुनाव प्रक्रिया करेंगे। 30 जनवरी को महापौर-उपमहापौर पद के लिए आवेदन स्वीकार किए गए जिसमें महापौर पद के लिए शिवसेना से अश्विनी कमलेश निकम और भाजपा से अमर गोबिंदराम लुंड ने आवेदन भरा था। दोनों के विरोध में किसी ने भी फार्म नहीं भरा जिस कारण वो बिनविरोध चुनाव जीत लिए हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद पीठासीन अधिकारी इसकी औपचारिक घोषणा करेंगे। ऐसे में आज महापौर अश्विनी निकम व उपमहापौर अमर लुंड अपना कार्यभार संभालेंगे। इसी के साथ अब मनपा में भाजपा-शिवसेना महायुति की सत्ता आज विराजमान होगी। अब आगामी समय में स्वीकृत नगरसेवक व विशेष समितियों के सभापति चुनाव जल्द ही होंगे।

साढ़े तीन साल बाद महासभा में होगी चहल-पहल

म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन ने जनरल असेंबली हॉल को पेंट कर दिया है और कॉर्पोरेटर्स के लिए आकर्षक नई कुर्सियां मंगवाई हैं। मेयर और डिप्टी मेयर की पुरानी ऐतिहासिक लकड़ी की कुर्सियों को पॉलिश करके उनकी शान बनाए रखने के लिए रिपेयर किया गया है। म्युनिसिपल असेंबली हॉल की तरह, मेयर और डिप्टी मेयर के हॉल को भी रेनोवेट किया गया है और दोनों ऑफिस में नया फर्नीचर और कुर्सियां लगाई गई हैं। ऑफिस के कामकाज के लिए स्टाफ भी अपॉइंट कर दिया गया है। अब सिर्फ मंगलवार को ऑफिशियल अनाउंसमेंट का इंतजार है, और म्युनिसिपल सेक्रेटरी के ऑफिस को अपडेट करने की मांग भी जोर पकड़ रही है।

शहर में साढ़े तीन साल का प्रशासकीय राज

साढ़े तीन साल के एडमिनिस्ट्रेटिव राज के बाद, शहर की लीडरशिप लोगों के रिप्रेजेंटेटिव को सौंपी जा रही है। उम्मीद है कि नई एनर्जी और जोश के साथ शहर के डेवलपमेंट का एक नया चैप्टर शुरू होगा।

‘वड़ापाव’ और ‘दाल पकवान’ का गठबंधन

डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव प्रचार के दौरान गोल मैदान में ‘वड़ापाव और दाल पकवान’ गठबंधन की जो बात कही थी, वह आखिरकार सच हो गई। उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में शिवसेना (कलानी ग्रुप), साई पार्टी और BJP का एक अचानक लेकिन राजनीतिक रूप से अहम गठबंधन सत्ता में आ गया है और शहर की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। शिवसेना (कालानी ग्रुप) के अश्विनी कमलेश निकम ने मेयर पद के लिए, जबकि BJP के अमर लुंड ने डिप्टी मेयर पद के लिए अपनी एप्लीकेशन दी है। चुनाव मंगलवार को बिना किसी विरोध के होंगे, और पीठासीन अधिकारी इसकी ऑफिशियल घोषणा करेंगे। खास बात यह है कि मराठी बोलने वाले अश्विनी कमलेश निकम मेयर पद की शपथ लेंगे, जबकि सिंधी समुदाय के अमर लुंड डिप्टी मेयर का पद संभालेंगे। इससे शहर के पावर सेंटर में सामाजिक सौहार्द की तस्वीर बनेगी। चुनाव से पहले डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे के दिए गए बयान के मुताबिक, ‘वड़ापाव’ (मराठी पहचान) और ‘दाल पकवान’ (सिंधी पहचान) का गठबंधन अब असल में सत्ता में आ गया है। सत्ताधारी नेता दावा कर रहे हैं कि इस सरकार के बनने से उल्हासनगर के विकास के कामों को बढ़ावा मिलेगा। सत्ताधारी पार्टियों ने माना है कि यह गठबंधन स्थिर प्रशासन और विकास पर आधारित नीतियों को लागू करने में मददगार होगा। शहर के लोगों का ध्यान आने वाले समय में नगर निगम के नीतिगत फैसलों पर है।

‘धर्मवीर दिघे की लड़ाई आज भी जारी है’

■ **मलंगगड पर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की महाआरती**

उल्हासनगर. माघ पूर्णिमा के मौके पर कल्याण के श्री मलंगगड में मौजूद राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने मलंगगड से जुड़े संघर्ष पर साफ राय रखी। ‘धर्मवीर आनंद दिघे की लड़ाई आज भी जारी है, और यह संघर्ष जरूर सफल होगा,’ उन्होंने शिवसैनिकों के सामने अपना विश्वास जताया। उनके इस बयान से वहां मौजूद शिवसैनिकों और हिंदू भक्तों में जोश का माहौल बन गया।

डिप्टी चीफ मिनिस्टर शिंदे ने श्री मलंग मच्छिंद्रनाथ के मंदिर में विधिवत महाआरती की। ताल-मृदंग की धुन और हरिनाम के जाप के बीच हुई इस महाआरती के दौरान पूरा इलाका भक्तिमय हो गया। इस मौके पर हिंदू मंच के अध्यक्ष दिनेश देशमुख, शिवसेना कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, कल्याण रूरल MLA राजेश मोरे, कल्याण पूर्व विधानसभा के संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़, महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी समेत बड़ी संख्या में शिवसेना कार्यकर्ता मौजूद थे।

महाआरती के बाद मौजूद लोगों से बातचीत करते हुए शिंदे ने धर्मवीर आनंद दिघे के काम का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व, आस्था और अन्याय के खिलाफ दिघे का किया गया संघर्ष आज भी मार्गदर्शक है। उन्होंने यह भी साफ किया कि सरकार मलंगगड से जुड़े मुद्दों पर अड़ी हुई है और इस लड़ाई को कानूनी तरीकों और साफ रुख के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं को रोकने से तनाव

शिंदे ने चेतावनी दी कि मलंगगड सिर्फ एक तीर्थ नहीं है बल्कि हिंदू समुदाय की आस्था और पहचान का केंद्र है। इसलिए, इस परंपरा को किसी भी तरह से नहीं हिलाया जाएगा। यात्रा के दौरान शांति, अनुशासन और संयम बनाए रखने की अपील करते हुए उन्होंने पुलिस और प्रशासन की प्लानिंग पर संतुष्टि जताई। इस बीच, जब डिप्टी चीफ मिनिस्टर शिंदे आरती के लिए मलंगगड में मच्छिंद्रनाथ मंदिर जा रहे थे, तो पुलिस की प्लानिंग में कुछ कन्फ्यूजन हो गया। हिंदू महाआरती के लिए जा रहे कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो टेंशन हो गया। BJP की पहली आरती के बाद मलंगगड इलाके में पुलिस की हड़बड़ाहट देखी गई.

बेटे की हत्या करने वाले पिता को उम्रकैद

कल्याण. बारह साल पहले, एक पति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए आधी रात के करीब अपनी पत्नी और सो रहे चार बच्चों पर धारदार चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। यह परिवार कल्याण पश्चिम के रामबाग गली नंबर 4 में स्वानंद कॉलोनी में रहता है। इस हमले में नौ साल के प्रणव उर्फ देवेश सुनील पटडे (9) की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी मीना, तीन अन्य बच्चे सुजीत, शुभम (5), सर्वेश (2.5 साल) गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस मामले में कल्याण जिला और सत्र न्यायालय के न्यायाधीश एस. एस. इनामदार ने हत्यारे पिता सुनील सदाशिव पटडे (46) को उम्रकैद की सजा सुनाई है। जिस आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है, उसका नाम सुनील सदाशिव पटडे (46) है। न्यायालय ने उस पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना न देने पर तीन महीने की कैद की सजा है। हत्या की यह घटना मार्च 2013 में हुई थी। इस जुर्म का फैसला साढ़े बारह साल बाद सुनाया गया है।

इस मामले में, पुलिस ने उसकी गंभीर रूप से घायल पत्नी की शिकायत पर महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया था। इस मामले में, सरकारी पक्ष की ओर से सरकारी वकील एड. संजय गोसावी, एड. जयश्री भटेजा और आरोपी की ओर से टी. ए. देवरे ने पैरवी की। पुलिस सब-इंस्पेक्टर आर. डी. अटपटकर, हवलदार संजय शेलार, भालचंद्र पवार, जयश्री झोलेकर ने कोर्ट और पुलिस स्टेशन कोऑर्डिनेटर के तौर पर काम किया। कोर्ट ने घटना के पंचनामा, गवाहों और पूरे घटनाक्रम पर गौर करने के बाद यह माना कि सुनील पटाडे इस जुर्म के लिए ज़िम्मेदार था और उसे उम्रकैद की सज़ा सुनाई।

शांतिनगर श्मशान घाट से डॉ. अंबेडकर की मूर्ति हटाने की मांग

■ **‘स्मारक सम्मान समिति’ बनाई गई**

उल्हासनगर. कैंप नंबर 3 में शांतिनगर श्मशान घाट में लगी डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मूर्ति को दूसरी जगह ले जाने के लिए रविवार सुबह नेता श्याम गायकवाड़ के नेतृत्व में कालिका मंडल हॉल में एक मीटिंग हुई, जिसके निमंत्रक दिलीप मालवणकर थे।

उल्हासनगर के कैंप नंबर 3 में शांतिनगर श्मशान घाट में बिना परमिशन के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की पूरी लंबाई वाली मूर्ति लगा दी गई है। हालांकि, इस मूर्ति के डिजाइन और जगह को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। नेता श्याम गायकवाड़ ने भविष्य में किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए मूर्ति को श्मशान घाट से दूसरी जगह ले जाने की मांग की।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सिटी इंजीनियर शिरसाट ने जवाब दिया कि उन्हें नहीं पता कि मूर्ति किसने लगाई है। साथ ही, शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि मूर्ति सरकार से कोई ऑफिशियल परमिशन लिए बिना लगाई गई थी।

मूर्ति के नीचे लगे पत्थर पर MP डॉ. श्रीकांत शिंदे, उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और राजेंद्र चौधरी की कोशिशों का ज़िक्र है, लेकिन आरोप है कि कब्रिस्तान जैसी जगह पर मूर्ति लगाने से पहले सामाजिक भावनाओं का ध्यान नहीं रखा गया। अन्याय विरोधी संघर्ष कमेटी के प्रेसिडेंट दिलीप मालवणकर ने पहल करते हुए रविवार को कालिका कला मंदिर हॉल में एक मीटिंग की। इस मीटिंग में नेता श्यामदादा गायकवाड़ के मार्गदर्शन में ‘डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक सन्मान समिति बनाई गई है।

मनपा प्रशासन को 15 दिन का अल्टीमेटम

इस मीटिंग में मौजूद पूर्व कॉर्पोरेटर शांताराम निकम, कांग्रेस डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट रोहित साल्वे और सैकड़ों दूसरे फॉलोअर्स ने एडमिनिस्ट्रेशन की पॉलिसी का विरोध किया। कमिटी ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को साफ चेतावनी दी है कि अगले 15 दिनों के अंदर मूर्ति को सम्मान के साथ हटाकर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्टडी हॉल में रखें, नहीं तो कड़ा विरोध किया जाएगा।

रेल आरक्षण केंद्र तक जाना हुआ मुश्किल

■ **तीनों प्लेटफार्म को पादचारी पुल से जोड़ा नहीं गया**

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम में शहरवासियों को आरक्षण केंद्र अथवा रेल टिकट घर पर टिकट निकालने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. गत कई महिनों से रेल प्रशासन ने स्टेशन रोड से सीधे टिकट काउंटर पर जाने का रास्ता बंद कर दिया है. मुसाफिरों को सीढ़ियां चढ़कर फिर उतरकर काउंटर पर जाना पड़ रहा है. वृद्धों, महिलाओं के लिए रेल टिकट निकालना मुसीबत बन गया है. रेल पादचारी पुल एवं प्लेटफार्म से पादचारी पुल को जोड़ने का

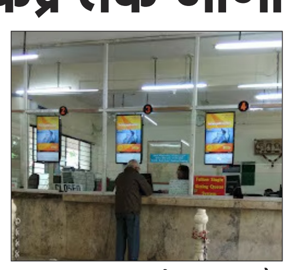

कार्य धीमी रफ्तार से चल रहा है. शहर पश्चिम से प्लेटफार्म क्र. 3 पर जाने के लिए होम प्लेटफार्म क्र. 1 से सीढ़ियां चढ़कर अथवा पादचारी पुल की दर्जनों सीढ़ियों से होकर शहर पूर्व में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से जाना पड़ रहा है. यही हाल शहर पूर्व के लोगों का भी है. मध्य रेल का पुराना पादचारी पुल तोड़कर नया पादचारी पुल तैयार कर लिया गया है. लेकिन इसकी सीढ़ियों को प्लेटफार्म क्र. 1, 2 और 3 से जोड़ा नहीं गया है. लोग पूर्व, पश्चिम को तो आ-जा रहे हैं, लेकिन सीधे प्लेटफार्म पर उतर नहीं सकते. जिसके कारण रेलवे यात्रियों की लोकल ट्रेनें छूट जाती हैं. एस्केलेटर सीढ़ियों का कार्य भी शुरू है. ये काम कब पूरा होगा कहा नहीं जा सकता. जबकि ये कार्य दो वर्ष में पूरा करना था. शहर पूर्व में सड़क से सीधे रेलवे टिकट घर एवं 3 नंबर प्लेटफार्म पर जाया जा सकता है, लेकिन शहर पश्चिम में प्लेटफार्म पर आने के लिए स्टेशन चौक से स्वामी नगर के कच्चे रास्ते से होकर जाना पड़ रहा है. मध्य रेल के मुसाफिर रेल प्रशासन के ढीले कारोबार से काफी परेशान हैं.

बिरला कॉलेज रोड पर आग का गोला बनी कार

कल्याण. कल्याण वेस्ट में बिरला कॉलेज रोड पर दुर्गाडी की ओर जा रही एक कार में रविवार रात करीब 7:30 बजे अचानक आग लग गई। इससे ट्रैफिक जाम हो गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कल्याण वेस्ट में बिरला कॉलेज रोड पर दुर्गाडी की ओर जा रही एक कार में रविवार को अचानक आग लग गई। खुशकिस्मती से, ड्राइवर जलती हुई कार के बीच सावधानी बरतते हुए कार से बाहर निकलने में कामयाब रहा और किस्मत से किसी की जान नहीं गई। जलती हुई कार के कारण ट्रैफिक जाम हो गया। KDMC फायर ब्रिगेड के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और फायर इंजन से जलती हुई कार की आग बुझाई। इसके बाद, गाड़ियों का ट्रैफिक नॉर्मल तरीके से शुरू हो गया।

रिक्शा की टक्कर से टू-व्हीलर सवार की मौत

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के MIDC इलाके में हुए एक भयानक हादसे में घायल टू-व्हीलर सवार की शनिवार को इलाज के दौरान आखिरकार मौत हो गई। इस युवक का नाम प्रवीण विजय चव्हाण (26) है, वह एक बेरोजगार मजदूर था। वह काम की तलाश में आनंदनगर MIDC इलाके से आया था। इस हादसे को अंजाम देने वाला शख्स CCTV कैमरे में कैद हो गया, जिसके आधार पर शिवाजीनगर पुलिस ने रिक्शा ड्राइवर को गिरफ्तार कर रिक्शा जब्त कर लिया है। घटना वाले दिन प्रवीण अपनी टू-व्हीलर चला रहा था.

ठाणे समेत 3 मनपा में महापौर पद पर ‘लाडली बहनें’

■ **महिलाओं के लिए कोई रिज़र्वेशन नहीं होने के बावजूद शिंदे सेना ने दिया मौका**

शर्मिला पिंपोलकर अश्विनी निकम हर्षाली थविल चौधरी

मुंबई. मनपा चुनाव के बाद अब हर जगह महापौर चुनने की प्रक्रिया चल रही है और ठाणे जिले की अहम ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में महिलाराज आने वाला है। महापौर पद के लिए महिलाओं के लिए कोई रिज़र्वेशन नहीं होने के बावजूद शिंदे सेना के मुख्य नेता और राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने महापौर पद के लिए पार्टी की प्यारी बहनों पर भरोसा दिखाया है।

ठाणे से शर्मिला पिंपोलकर-गायकवाड़, कल्याण डोंबिवली में हर्षाली थविल चौधरी और उल्हासनगर में अश्विनी निकम मेयर चुनी जाएंगी। प्यारी बहनों ने शिवसेना को जोश के साथ जवाब दिया है। इसलिए, MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने यह ज़ोरदार स्टैंड लिया था कि मेयर का पद देते समय प्यारी बहनों को ही प्रायोरिटी दी जाए। एकनाथ शिंदे ने इस पर अपनी मुहर लगा दी है। इसलिए, ठाणे जिले की अहम म्युनिसिपैलिटी में अब महिलाएं दिखेंगी। इन नगर निगमों के इतिहास में यह पहली बार है कि जब महिलाओं के लिए कोई आरक्षण नहीं है, तब उन्हें यह पद मिलेगा।

नतीजों से यह साफ हो गया था कि ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और उल्हासनगर नगर निगमों में महायुति का मेयर होगा। इसीलिए नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्सुकता थी कि नतीजों के बाद शिंदे सेना किसका नाम कन्फर्म करेगी। इन तीनों जगहों के मेयर पद महिलाओं के लिए आरक्षित नहीं थे। इसलिए, यह अनुमान लगाया जा रहा था कि वहां केवल पुरुषों को ही मौका मिलेगा। हालांकि, यह गलत निकला है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इन तीनों नगर निगमों की जिम्मेदारी महिला नगरसेवकों को सौंपी है, जो उनकी पार्टी की प्यारी बहनें हैं। खास बात यह है कि नगर निगमों में महिलाओं के लिए आरक्षण नहीं होने के बावजूद, यह फैसला सोच-समझकर लेते हुए महिलाओं को मौका दिया गया है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

पीरियड्स अब संकोच का विषय नहीं

कोई भी संवेदनशील और प्रगतिशील समाज अपने बीच जड़ें जमाए वैसी धारणाओं से लड़ता है, जिनका खमियाजा महिलाओं या कमजोर तबकों को उठाना पड़ता है। मगर यह विचित्र है कि हमारे देश में कुछ ऐसे प्रश्न आज भी सामाजिक विकास में एक बाधा बने हुए हैं, जिनका सीधा संबंध स्त्रियों की सेहत और गरिमा के साथ जुड़ा हुआ है।

मासिक धर्म या माहवारी मूलतः महिलाओं या लड़कियों के स्वास्थ्य से जुड़ा सवाल है, लेकिन कई तरह की पितृसत्तात्मक सोच के कारण उसे संकोच का विषय बना दिया गया है। इसकी वजह से सामान्य जीवन में लड़कियों को बहुस्तरीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, इससे उनका स्वास्थ्य और व्यक्तित्व प्रभावित होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इसी संदर्भ में एक अहम हस्तक्षेप किया है और मासिक धर्म से जुड़े स्वास्थ्य को संविधान के तहत जीवन और गरिमा के अधिकार का हिस्सा बताया। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी बेहद अहम है कि मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन उपायों की अनुपलब्धता एक लड़की की गरिमा को कम करती है, क्योंकि गरिमा उन परिस्थितियों में व्यक्त होती है, जो लोगों को अपमान, बहिष्कार या अनावश्यक पीड़ा के बिना बाहर निकलने में सक्षम बनाती है।

यह छिपा नहीं है कि महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य से जुड़ी माहवारी को लेकर समाज में कैसी मिथकें मौजूद रही हैं। इसकी वजह से घर से लेकर बाहर या कार्यस्थलों पर महिलाओं को कई तरह की असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ता है। सैनिटरी पैड की उपलब्धता हर जगह नहीं होने की वजह से समस्या और बढ़ जाती है। इसके अलावा, स्कूलों में शौचालयों की स्थिति भी जगजाहिर रही है।

अनेक अध्ययनों में ऐसे तथ्य सामने आते रहे हैं कि स्कूलों में स्वच्छ शौचालय की सुविधा न होने की वजह से बहुत सारी लड़कियों को बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ती है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को लड़कियों को जैविक रूप से अपघटनीय सैनिटरी पैट निशुक्ल बांटने के साथ-साथ लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाने का निर्देश दिया।

विचार : आवश्यक है आर्थिक कर्तव्य पूरे करना

कर्तव्य संस्कृत भाषा का शब्द है। केवल 'ड्यूटी' कह देने से इसका अर्थ हल्का पड़ जाता है। इसकी व्युत्पत्ति कृ और तव्य से मिलकर हुई है। कृ धातु का अर्थ है करना, कर्म में उतरना और तव्य अनिवार्यता को दर्शाता है। इस प्रकार कर्तव्य कोई नैतिक भावना या इच्छापूर्ण संकल्प नहीं, बल्कि परिस्थितियों, सीमाओं और अपरिहार्य समझौतों के बीच किया गया एक बौद्धिक दावा है कि क्या किया जाना अनिवार्य है। आज जब वैश्विक व्यवस्था अस्थिर है, अमेरिका में ट्रंप-युग की टैरिफ राजनीति व्यापार को हथियार बना रही है और भारत जटिल एवं असहयोगी पड़ोसियों से घिरा है, तब कर्तव्य का यह अर्थ और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे भू-राजनीतिक तनावों में नीति की वैधता घोषणाओं से नहीं, बल्कि इस स्पष्टता से आती है कि राज्य किन अनिवार्य कार्यों को चुनता है और उन्हें करने का साहस दिखाता है। इस दृष्टि से केंद्रीय बजट 2026-27 महत्वपूर्ण है। इसमें तीन 'कर्तव्यों' जैसे कि विकास को बनाए रखने, क्षमताओं और आकांक्षाओं का निर्माण करने तथा पहुंच और सहभागिता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह बजट को योजनाओं के संकलन से राज्य की कार्रवाई के सिद्धांत की ओर ले जाने का एक सुनियोजित प्रयास दर्शाता है। एक ऐसा सिद्धांत, जो पूछता है कि यदि 2047 तक विकसित भारत की महत्वाकांक्षा को विश्वसनीय बनाए रखना है, तो सरकार को आज क्या करना चाहिए? पहला 'कर्तव्य' विकास को तेज करना और उसे बनाए रखना

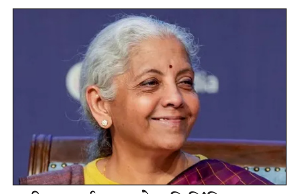

इसी यथार्थवाद को प्रतिबिंबित करता है। यहां विकास को किसी ऐसे वैरिएबल के रूप में नहीं देखा गया है जिसे केवल प्रोत्साहन देकर बढ़ाया जाए, बल्कि उसे प्रतिस्पर्धात्मकता, लचीलापन और घरेलू क्षमताओं के परिणाम के रूप में परिभाषित किया गया है। जैव-फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स, रेयर अर्थ, रसायन, पूंजीगत वस्तुएं, वस्त्र और खेल उपकरणों तक फैली औद्योगिक रणनीति उस टैरिफ युक्त वैश्विक व्यवस्था के प्रति प्रतिक्रिया का संकेत देती है, जहां उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र का स्वामित्व निर्णायक बन चुका है। इसके लिए पांच वर्षों में बायोफार्मा शक्ति के लिए 10,000 करोड़ रुपये एवं इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेंट्स सहायता का विस्तार करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

चार राज्यों में रेयर अर्थ कारिडोर बनाने और 10,000 करोड़ रुपये का कंटेनर विनिर्माण कार्यक्रम शुरू करने की बात कही गई है। साझा बुनियादी ढांचे और जोखिम आवंटन पर जोर देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि फर्म-विशिष्ट प्रोत्साहनों पर। हाई-टेक टूल रूम, केमिकल पार्क, मेगा टेक्सटाइल पार्क और 200 पुराने औद्योगिक क्लस्टरों के पुनर्जीवन का उद्देश्य पूरे अर्थतंत्र में स्थिर लागतों को कम करना है। इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड एक और कड़ी वास्तविकता को स्वीकार करता है। ऊंची ब्याज दरों और जोखिम से बचने वाले वैश्विक माहौल में निजी पूंजी तब तक नहीं आएगी, जब तक प्रारंभिक चरण के जोखिम का सार्वजनिक आकलन नहीं किया जाता।

दूसरा 'कर्तव्य' आकांक्षाओं और क्षमताओं का निर्माण इस अनुशासन को मानव पूंजी तक विस्तार देता है। यहां कौशल को कल्याणकारी सहायता के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादक क्षमता के रूप में परिभाषित किया गया है। शिक्षा-से-रोजगार और उद्यमिता पर स्थायी समिति के समर्थन के साथ सेवा क्षेत्र पर केंद्रित दृष्टिकोण 2047 तक वैश्विक सेवाओं के निर्यात में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना एक स्पष्ट महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। यहां जोर वादों पर नहीं, बल्कि ठोस नीतियों पर है। पांच वर्षों में एक लाख सहायक स्वास्थ्य पेशेवर एवं अगले वर्ष में 1.5 लाख देखभाल करने वाले लोगों को तैयार करना तथा एवीजीसी, डिजाइन, पर्यटन और खेल जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर संस्थागत निवेश बढ़ाना इसी का हिस्सा है। तीसरा 'कर्तव्य' पहुंच और सहभागिता इस ढांचे को राजनीतिक रूप से आधार प्रदान करता है। भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में वह विकास जो व्यापक समावेशन से वंचित हो, अंततः कमजोर सिद्ध होता है। इसीलिए सहभागिता को उत्पादक क्षमता तक पहुंच के रूप में परिभाषित किया गया है। उच्च-मूल्य कृषि और एआइ-सक्षम परामर्श प्रणालियां, महिला-नेतृत्व वाले उद्यम, कौशल से जुड़ी दिव्यांगता नीति, मानसिक स्वास्थ्य क्षमताओं का विस्तार तथा 'पूर्वोदय' राज्यों और पूर्वोत्तर क्षेत्र का लक्षित विकास इसी के अंग हैं।

हम चाहे इसे पहचानें या नहीं, लेकिन प्रभु ही वो धागा हैं जो हमारे जीवन की बुनाई में पिरोए हुए हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कमजोर होगा 'सूचना का अधिकार' कानून?

सूचना का अधिकार (आरटीआइ) कानून ने देश में लोकतंत्र की नींव को और मजबूत किया है। इसका मुख्य उद्देश्य शासन के कामकाज में पारदर्शिता लाना और जवाबदेही तय करना है। यह देश के नागरिकों को अधिकार देता है कि वे सरकारी तंत्र और उसके कार्यों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। यानी यह कानून सरकार और जनता के बीच सूचना के सेतु के रूप में काम करता है और परस्पर भरोसे का निर्माण करता है।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और दोषियों को कानून के कठघरे में लाने की प्रक्रिया में भी इसकी महती भूमिका है। स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए जरूरी इन विशेषताओं में अगर कमी या कटौती की जाती है, तो निश्चित तौर पर यह कानून कमजोर होगा। यह मसला इसलिए चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि संसद में हाल में पेश की गई आर्थिक समीक्षा रपट में आरटीआइ कानून का फिर से अध्ययन करने की वकालत की गई है।

तर्क दिए गए हैं कि इस कानून में कुछ ऐसे प्रावधान किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि गोपनीय रपट और मसविदों को सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त की जा सके। गौरतलब है कि लंबे समय से सूचना के अधिकार की मांग के मद्देनजर वर्ष 2005 इससे

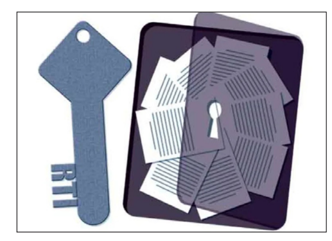

संबंधित कानून को लागू किया गया था। इसके तहत देश का हर नागरिक सरकारी विभाग और संस्थाओं से उनके कामकाज, योजनाओं एवं उनके प्रभाव, वित्तीय स्थिति तथा नियमों आदि की जानकारी मांग सकता है।

संबंधित अधिकारी तय समय के भीतर यह सूचना उपलब्ध कराने के लिए बाध्य होते हैं। मगर समय के साथ सरकारी तंत्र की उदासीनता, लापरवाही और निहित स्वार्थों के कारण जानकारी छिपाने के प्रयासों से इस कानून की प्रभावशीलता में कमी देखी गई है, जो चिंता का विषय है। ऐसे में आर्थिक समीक्षा रपट में सूचना के अधिकारों का फिर से अध्ययन करने और कुछ मामलों में छूट हासिल करने की वकालत ने चिंता के स्तर को और बढ़ा दिया है।

एक तरफ सरकार जब अपने कामकाज में 'पारदर्शिता लाने' और भ्रष्टाचार को लेकर 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाने पर जोर देती हो और दूसरी तरफ सूचना के अधिकारों को सीमित करने का प्रयास किया जाए, तो यह नीति और नीयत के बीच विरोधाभास पैदा करता है। आर्थिक समीक्षा में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरटीआइ अधिनियम का मकसद कभी भी इसे व्यर्थ की जिज्ञासा का जरिया बनाने का नहीं था, न ही इसका उद्देश्य बाहर बैठकर सरकार के हर छोटे-छोटे काम में दखल देना या उसे नियंत्रित करना था।

यह बात सही है कि बिना कारण या सरकार के कामकाज में किसी सुनियोजित तरीके से बाधा उत्पन्न करने के लिए इस कानून का सहारा लेना उचित नहीं है। मगर सवाल यह है कि इस तरह आरटीआइ कानून का दुरुपयोग करने वालों की तादाद कितनी होगी? जाहिर है, इसमें कुछ खास वर्ग के चंद लोग ही शामिल होंगे, पर क्या उन पर अंकुश लगाने के लिए सभी नागरिकों के सूचना के अधिकार को सीमित किया जाना चाहिए?

इस कानून में पहले से ऐसे कई प्रावधान मौजूद हैं, जिनके तहत राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता, जांच प्रक्रिया और व्यक्तिगत गोपनीयता समेत अन्य संवेदनशील मसलों की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती। अब अगर सूचना को रोकने के और प्रावधान किए जाते हैं, तो इससे यह कानून वास्तव में कमजोर होगा और इसका मकसद भी अधूरा ही रह जाएगा।

दुनिया का वो देश, जहां पूजा जाता है चंगेज खान

भारत में चंगेज खान को एक क्रूर आक्रांता के रूप में जाना जाता है, जिसने लाखों लोगों की जान ली और अपना साम्राज्य फैलाया.

जरा हट के

लेकिन मंगोलिया में यही चंगेज खान (चिंगिस खान) भगवान का दर्जा रखता है.

इस देश में चंगेज खान को राष्ट्रपिता, एकजुट करने वाला और सबसे बड़ा साम्राज्य बनाने वाला नायक माना जाता है. मंगोल लोग मानते हैं कि उसकी आत्मा आज भी देश की रक्षा करती है और एक दिन वह पुनर्जन्म लेकर वापस आएगा. इस विश्वास के कारण उसकी पूजा मंदिरों में, घरों में और सार्वजनिक स्थानों पर होती है.

मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में चंगेज खान का सबसे बड़ा घोड़े पर सवार मूर्ति है. इसकी ऊंचाई 40 मीटर से अधिक है. उसका नाम हवाई अड्डे, सड़कों, सिक्कों, बैंकनोट्स और यहां तक कि बीयर के ब्रैंड पर भी है. लोग

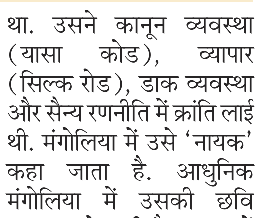

उसके नाम की प्रार्थना करते हैं. कई मंगोल परिवारों में उसकी तस्वीर को पूजा स्थल पर रखा जाता है और धूप-दीप जलाए जाते हैं. यह पूजा सिर्फ ऐतिहासिक सम्मान नहीं, बल्कि गहरी आध्यात्मिक श्रद्धा है. मंगोल शैमैनिज्म और बौद्ध धर्म में चंगेज खान को एक संरक्षक आत्मा माना जाता है. लोग मानते हैं कि उसकी आत्मा मंगोलिया की सीमाओं की रक्षा करती है, मौसम को नियंत्रित करती है और राष्ट्र को मजबूत रखती है.

कुछ परंपराओं में उसका पुनर्जन्म होने की प्रतीक्षा की जाती है, ताकि मंगोलिया फिर से विश्व शक्ति बन सके. चंगेज खान ने 1206 में मंगोल कबीलों को एकजुट किया और दुनिया का सबसे बड़ा साम्राज्य बनाया जो एशिया से यूरोप तक फैला था. उसने कानून व्यवस्था (यासा कोड), व्यापार (सिल्क रोड), डाक व्यवस्था और सैन्य रणनीति में क्रांति लाई थी. मंगोलिया में उसे 'नायक' कहा जाता है. आधुनिक मंगोलिया में उसकी छवि राष्ट्रवाद से जुड़ी है. 1990 में कम्युनिस्ट शासन गिरने के बाद चंगेज खान की पूजा फिर से शुरू हुई. आज वह देश की पहचान है. स्कूलों में उसकी कहानियां पढ़ाई जाती है और हर साल उसके जन्मदिन पर उत्सव होते हैं.

टमाटर का सूप

सर्दियों के मौसम में जब ठंडी हवाएं चलने लगती हैं, तब एक कटोरी गरमा-गरम सूप न केवल शरीर को अंदर से गर्म रखता है, बल्कि मन को भी सुकून देता है। टमाटर का सूप भारत के हर घर में पसंद किया जाने वाला सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला सूप है। यह स्वाद में जितना लाजवाब है, सेहत के लिहाज से उतना ही फायदेमंद भी। आइए जानते हैं सर्दियों में टमाटर सूप बनाने की सबसे आसान रेसिपी।

सामग्री

- टमाटर- 4-5 बड़े और लाल
- अदरक- 1 इंच का टुकड़ा
- लहसुन- 3-4 कलियां
- प्याज- 1 छोटा
- मक्खन- 1 बड़ा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच
- क्रीम- सजावट के लिए
- ब्रेड क्रूटोंस- ऊपर से डालने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले टमाटरों को धोकर बड़े टुकड़ों में काट लें। एक प्रेशर कुकर में टमाटर, अदरक, थोड़ा पानी और हल्का नमक डालकर 2 सीटी आने तक उबालें। उबलने के बाद इसे ठंडा होने दें और फिर मिक्सी में पीसकर एक महीन पेस्ट बना लें। अब इसे एक छलनी से छान लें ताकि बीज और छिलके अलग हो जाएं।

अब एक कड़ाही में मक्खन गर्म करें। इसमें तेज पत्ता डालें, फिर बारीक कटा लहसुन और प्याज डालकर हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब इसमें छाना हुआ टमाटर का रस डालें। अगर सूप ज्यादा गाढ़ा लग रहा हो, तो थोड़ा पानी मिला दें। इसमें स्वादानुसार नमक और काली मिर्च पाउडर डालें। सूप को मध्यम आंच पर 5-10 मिनट तक उबलने दें जब तक कि इसमें एक अच्छी चमक और गाढ़ापन न आ जाए। तैयार सूप को एक बाउल में निकालें। ऊपर से थोड़ी फ्रेश क्रीम और ब्रेड के तले हुए क्रूटॉन्स डालें। अगर आपको सूप थोड़ा खट्टा-मीठा पसंद है, तो उबलते समय इसमें आधा चम्मच चीनी या थोड़ा सा टोमेटो केचप मिला सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। दूसरों से न उलझें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ : अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र का विकास एवं विस्तार होगा। उपहार मिल सकता है। संतान की चिंता दूर होगी।

मिथुन : रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान-सम्मान मिलेगा। रुका काम समय पर पूरा होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क : वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

सिंह : तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। रोमांस में सफलता मिलेगी, आपसी संबंधों को महत्व दें। पूंजी संचय की बात बनेगी।

कन्या : चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे। मानसिक संतोष, प्रसन्नता रहेगी। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। दूसरों की नकल न करें।

तुला : घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। नौकरी ठीक चलेगी। धनलाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कुछ को कार्यों में विलंब से चिंता होगी। मानसिक उद्विग्नता रहेगी। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा। सेहत अच्छी रहेगी।

वृश्चिक : संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

धनु : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। प्रेम-संबंधों में सफलता मिलेगी। सामाजिक ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

मकर : पिछले कुछ दिनों से चल रही आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी।

कुंभ : घर में शिशु आगमन से प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी।

मीन : अपनी कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

7 फरवरी से शुरू होगा प्यार का सप्ताह

फरवरी यानी प्यार का महीना। इस महीने में हवाओं में प्यार और रोमांस घुल जाता है। कपल्स के लिए यह साल का सबसे खास महीना होता है, क्योंकि इसमें वेलेंटाइन्स वीक आता है। 7 फरवरी से शुरू होकर 14 फरवरी तक चलने वाला यह सप्ताह प्यार को अलग-अलग तरीकों से जाहिर करने का समय होता है। आइए जानें वेलेंटाइन्स वीक का कैलेंडर और हर दिन की खासियत।

रोज डे - 7 फरवरी,

वेलेंटाइन वीक की शुरुआत रोज डे से होती है। इस दिन प्रेमी-प्रेमिका एक-दूसरे को गुलाब देकर अपनी भावनाओं का इजहार करते हैं। लाल गुलाब प्यार का प्रतीक माना जाता है, जबकि पीला दोस्ती और सफेद शांति का। यह दिन रिश्तों में गुलाब के रंगों और खुशबू भरने के लिए मनाया जाता है।

प्रपोज डे - 8 फरवरी

यह दिन नए प्रेमियों के लिए काफी खास होता है। अगर आप किसी को पसंद करते हैं और उनसे अपने दिल की बात कहना चाहते हैं, तो यह दिन सबसे बेहतर है। प्रपोज डे के दिन लोग अपने खास व्यक्ति के सामने प्यार का इजहार करते हैं और जीवन भर साथ निभाने का प्रोपोजल रखते हैं।

चॉकलेट डे - 9 फरवरी

प्यार के इजहार के बाद अब बारी है रिश्तों में मिठास घोलने की। सोमवार के दिन लोग एक-दूसरे को उनकी पसंदीदा चॉकलेट गिफ्ट करते हैं। चॉकलेट को मूड को बेहतर बनाने और तनाव कम करने वाला माना जाता है, जो रिश्तों में कड़वाहट को दूर कर प्यार बढ़ाता है।

टेडी डे - 10 फरवरी

टेडी बियर मासूमियत और

कोमलता का प्रतीक है। इस दिन पार्टनर एक-दूसरे को प्यारा-सा टेडी गिफ्ट करते हैं। यह गिफ्ट इस बात का अहसास दिलाता है कि जब आप पास न हों, तब भी आपकी यादों की गर्माहट और मासूमियत उनके साथ बनी रहे।

प्रॉमिस डे - 11 फरवरी

सिर्फ तोहफे ही काफी नहीं होते, रिश्ते को चलाने के लिए वादे भी जरूरी होते हैं। प्रॉमिस डे के दिन कपल्स एक-दूसरे से सच्चे प्यार, ईमानदारी और हर मुश्किल में साथ खड़े रहने का वादा करते हैं। यह दिन रिश्ते की नींव को मजबूत करने का प्रतीक है।

हग डे - 12 फरवरी

एक जादू की झप्पी यानी गले लगना बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह देती है। यह दिन एक-दूसरे को गले लगाकर अपने प्यार का अहसास दिलाने का है। एक-दूसरे को हग करने से न केवल दूरियों को कम होती है, बल्कि पार्टनर को यह महसूस कराता है कि वे आपके पास सुरक्षित हैं।

किस डे - 13 फरवरी

वेलेंटाइन डे से ठीक एक दिन पहले किस डे मनाया जाता है। यह प्यार को जताने का एक बेहद पर्सनल और इमोशनल तरीका है। यह दिन फिजिकल और मेंटल कनेक्शन के साथ-साथ अटूट प्रेम और सम्मान को भी जाहिर करता है।

वेलेंटाइन डे - 14 फरवरी

वेलेंटाइन वीक के सबसे आखिरी दिन का सबको बेसब्री से इंतजार रहता है। संत वेलेंटाइन की याद में मनाया जाने वाला यह दिन प्यार की जीत का प्रतीक है। इस दिन लोग डेट पर जाते हैं, एक-दूसरे को सरप्राइज देते हैं और अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हैं।

त्वचा के लिए अमृत समान तुलसी वॉटर

मुहांसों से लेकर दाग-धब्बों की करे छुट्टी, जानें फायदे

हर भारतीय घर में पाई जाने वाली तुलसी सिर्फ पवित्र पौधा नहीं, बल्कि प्राकृतिक औषधि का खजाना भी है. तुलसी के सेवन से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, यह त्वचा के लिए खास तौर पर कारगर है. यह रक्त को शुद्ध कर दाग-धब्बों और मुहांसों से निजात दिलाने में भी कारगर है.भारत सरकार के आयुष मंत्रालय और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के अनुसार, तुलसी त्वचा के लिए किसी ब्यूटी पार्लर से कम नहीं है. यह मुंहासों, दाग-धब्बों को दूर कर त्वचा में निखार लाने का काम करती है. तुलसी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को साफ, स्वस्थ और चमकदार बनाने में मदद करते हैं.

विशेषज्ञों का कहना है कि तुलसी वाला पानी पीने से खून साफ होता है, जिससे मुंहासे कम होते हैं और नए दाग-धब्बे नहीं बनते. रोजाना तुलसी का सेवन त्वचा के अंदरूनी संक्रमण को जड़ से खत्म करता है और चेहरे पर चमक लाता है. यह घरेलू उपाय

महंगी क्रीम्स और ट्रीटमेंट की जगह ले सकता है, वह भी बिना किसी साइड इफेक्ट के. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान भी तुलसी के औषधीय गुणों के बारे में बताता है.

एक्सपर्ट के अनुसार, त्वचा के लिए तुलसी के कुछ आसान और प्रभावी तरीके हैं, तुलसी फेस पैक के तौर पर 8-10 ताजे तुलसी के पत्तों को पीसकर मुल्तानी मिट्टी या शहद के साथ मिलाएं. इस पेस्ट को चेहरे पर 15-20 मिनट लगाकर धो लें. यह मुंहासों को खत्म करता है, दाग हल्के करता है और त्वचा को ऑयली होने से बचाता है. हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल कर सकते हैं.

तुलसी चाय स्वाद में तो बेहतर होता ही है. साथ ही कई स्वास्थ्य लाभ भी देता है. इसके लिए 4-5 तुलसी के पत्तों को पानी में उबालकर चाय बनाएं. इसमें नींबू या शहद मिलाकर पीने से तनाव कम होता है और त्वचा की चमक बढ़ती है. तनाव से होने वाले पिंपल्स पर यह खास असर करता है. साथ ही कच्चे पत्ते चबाना भी लाभदायी है. सुबह 2-3 ताजे तुलसी के पत्ते चबाने से ताजगी मिलती है और त्वचा के अंदर से इन्फेक्शन कम होता है.

तुलसी का नियमित इस्तेमाल न केवल त्वचा को स्वस्थ रखता है, बल्कि इम्यूनिटी भी मजबूत करता है. यह सस्ता, प्राकृतिक और हर घर में उपलब्ध उपाय है. विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर मुंहासे या दाग बहुत गंभीर हों तो आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह जरूर लें. तुलसी के साथ साफ-सफाई, संतुलित आहार और पर्याप्त पानी पीना त्वचा की चमक को कई गुना बढ़ा सकता है.

कब्ज, मधुमेह और बाल झड़ने में रामबाण है अमरबेल

अमरबेल किडनी और पेशाब संबंधी समस्याओं के लिए एक पारंपरिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है. जो अपने मूत्रवर्धक गुणों के कारण गुर्दे के स्वास्थ्य को सहारा देती है. संक्रमण से लड़ती है और शरीर को विषमुक्त करती है. इसके 5-10 मिलीलीटर रस या काढ़े का उपयोग लीवर विकार, कब्ज, और सूजन कम करने में सहायक माना जाता है.

डॉक्टर गीतिका शर्मा ने बताया कि अमरबेल अपने औषधीय गुणों के कारण पाचन तंत्र के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती है. इसका काढ़ा या रस कब्ज, एसिडिटी, पेट दर्द, और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाने और पाचन शक्ति को बढ़ाने में मदद करता है. इसके अलावा, यह लिवर को डिटॉक्स करने और पेट की सूजन कम करने में सहायक है. जिससे चयापचय में सुधार होता है.

अमरबेल बालों को घना, मजबूत बनाने, झड़ने से रोकने और डैंड्रफ खत्म करने में बेहद कारगर आयुर्वेदिक औषधि है. इसे तिल या नारियल के तेल में पकाकर लगाने से गंजेपन में राहत मिलती है और बालों का विकास होता है. त्वचा के

लिए, यह एंटी-एजिंग गुणों के कारण त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाती है.

अमरबेल (आकाशबेल) बालों के विकास, मजबूती और रूसी कम करने के लिए एक बेहतरीन आयुर्वेदिक उपाय है. जो गंजेपन को दूर करने और सिर की त्वचा को स्वस्थ बनाने में मदद करता है. इसका पेस्ट या तेल स्कैल्प पर लगाने से बालों का झड़ना रुकता है और वे घने व चमकदार बनते हैं.

अमरबेल पाचन क्रिया में सुधार के लिए अत्यंत फायदेमंद है. इसमें फाइबर और लैक्सेटिव गुण होते हैं. जो कब्ज, एसिडिटी और पेट दर्द को कम करने में मदद करते हैं. यह आंतों की जकड़न दूर कर पाचन प्रणाली को मजबूत बनाता है. इसका सेवन काढ़ा या ताजा रस के रूप में करना बेहतर माना जाता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मां को वीडियो कॉल करने के बाद सुसाइड

प्रयागराज. प्रयागराज शहर के एक नामी डॉक्टर के बेटे ने फांसी लगाकर जान दे दी। घर के ही कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिला। मूल रूप से सोनभद्र में चोपन थानाक्षेत्र के अवई सलवन निवासी डॉ अजय शुक्ला बच्चों के प्रतिष्ठित डॉक्टर हैं और नाजरेथ अस्पताल में अपनी सेवा दे रहे हैं। वह परिवार के साथ कटरा मनमोहन पार्क चौराहे के समीप स्थित स्वास्तिक मैग्नोलिया अपार्टमेंट में रहते हैं। उनकी पत्नी सेंट जोसेफ कॉलेज में अध्यापिका हैं। उनकी दो संतानों में बड़ी बेटी दिल्ली में रहकर जेआरएफ की तैयारी कर रही है और इकलौता बेटा 22 वर्षीय स्पर्श शुक्ला जबलपुर की धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में विधि द्वितीय वर्ष का छात्र था। छुट्टी होने के कारण बीते लगभग एक माह से स्पर्श घर आया हुआ था। शनिवार रात उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली।

50 हजार का इनामी गैंगस्टर शातिर आकाश यादव गिरफ्तार, STF ने गोंडा में पकड़ा

गोंडा. यूपी के गोंडा जिले के धानेपुर इलाके में गैंगस्टर और शातिर लुटेरे 50 हजार के इनामी आकाश यादव को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। एसटीएफ लखनऊ की टीम ने रविवार को एक सटीक सूचना के आधार पर जाल बिछाकर आकाश को गिरफ्तार कर लिया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पिछले साल गैंगस्टर एक्ट लगाया गया था। इसके बाद आईजी की ओर से उस पर इनाम घोषित किया गया था। खास यह रहा कि बिना एक गोली चलाए शातिर बदमाश को एसटीएफ ने पकड़ लिया है। ऐसे में इस गिरफ्तारी को हाईकोर्ट की उस नाराजगी से जोड़ा जा रहा है जिसमें पिछले ही हफ्ते पुलिस के हाफ एनकाउंटर यानी आपरेशन लंगड़ा पर सवाल खड़े किए गए थे। हाईकोर्ट ने यहां तक कहा था कि सजा देना अदालत का काम है।

एकतरफा प्यार में 12वीं के छात्र ने अपनी ही टीचर का काटा दोनों होंठ, हालत गंभीर

मैनपुरी. उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एकतरफा प्यार की सनक ने एक छात्र को इस कदर हैवान बना दिया कि उसने अपनी ही शिक्षिका का जीवन नर्क बना दिया। शहर के कोतवाली क्षेत्र में कक्षा 12 के एक छात्र ने अपनी ही टीचर से पहले क्लास में ही छेड़छाड़ शुरू की। इसकी शिकायत छात्र के परिवार से हुई तो कुछ समय सब ठीक रहा। इसके बाद दोबारा उसने गलत हरकतें शुरू कर दीं। अंततः टीचर ने स्कूल ही छोड़ दिया और दूसरे स्कूल में नौकरी करने लगी। छात्र इतने पर भी नहीं माना और टीचर का वहां भी पीछा शुरू कर दिया। टीचर ने विरोध किया तो खौफनाक कदम उठा लिया। बीच रास्ते टीचर को रोककर धारदार हथियार से हमला कर दिया। टीचर के दोनों होंठ काटकर शरीर से अलग कर दिए। वारदात को अंजाम देने के बाद छात्र फरार हो गया। खून से लथपथ शिक्षिका को गंभीर हालत में मैनपुरी से आगरा रेफर किया गया है। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिक्षिका के भाई ने कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट बताया कि उसकी बहन पहले शहर के आगरा रोड स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ाती थी।

लखपति दीदी' के बाद अब 'शी मार्ट्स'

- अब ग्रामीण इलाकों में अपना 'मॉल' चलाएंगी महिलाएं
- हर जिले में इनके लिए हॉस्टल भी

नई दिल्ली. अब महिला कल्याण सिर्फ 'कर्ज आधारित आजीविका' तक सीमित नहीं रहेगा। सरकार का लक्ष्य महिलाओं को बराबर की भागीदार और अपने कारोबार की मालिक बनाना है। इस दिशा में शी मार्ट्स (सेल्फ हेल्प आंत्रप्रेन्योर मार्ट्स) की घोषणा की गई है।

ये ऐसे रिटेल आउटलेट्स होंगे, जिन्हें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं चलाएंगी। सरकार इन्हें ग्रामीण इलाकों और छोटे कस्बों में स्थापित करेगी। यहां महिलाएं अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों को बेच सकेंगी। इसका मुख्य लक्ष्य महिलाओं को बिचौलियों के चंगुल से बाहर निकालना है। ताकि, उत्पादों का सीधा और ज्यादा मुनाफा महिलाओं तक पहुंचे।

मार्ट्स के जरिए महिलाओं के स्थानीय उत्पादों को 'ब्रांड' के रूप में पहचान दिलाएगी। उन्हें बाजार ही नहीं, बल्कि आधुनिक वित्तीय उपकरण और ब्रांडिंग सपोर्ट भी दिया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का बढ़ा बजट

15.63% बढ़ा है महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का बजट। इस बार 28183.06 करोड़, पिछले साल 24373.91 करोड़ था।

5 करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य

'शी मार्ट्स' का विचार लखपति दीदी की सफलता से मिला। इस पहल ने काम शुरू करना सिखाया। शी मार्ट्स उस काम को बिजनेस में बदलेगा। 3 करोड़ महिलाएं सालाना 1 लाख रुपए से ज्यादा कमाने लगी हैं। अब लक्ष्य 5 करोड़ लखपति दीदी बनाने का है। हालांकि शी मार्ट्स के लिए बजट बताया नहीं गया।

क्लासरूम से लैब तक का सफर आसान होगा

उच्च शिक्षा-करियर के बीच बड़ी बाधा 'आवास व सुरक्षा' को 10,000 करोड़ रुपए के निवेश से दूर होगी। देश के हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा। छात्राओं को STEM की पढ़ाई छोड़नी पड़ती थी। वे अब पूरा समय दे सकेंगी। STEM कोर्स में महिलाओं की भागीदारी 43% है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

नई स्किलः ड्रोन फ्लाइंग के साथ सुधार भी सकेंगी

ड्रोन फ्लाइंग सिखाने के साथ उनके रखरखाव व सुधार की भी ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों के छिड़काव के लिए महिला उद्यमियों की नई फौज तैयार होगी। उन्हें एलईडी बल्बों की असेंबलिंग व निर्माण सिखाया जाएगा ताकि वे छोटी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा सकें।

CJI ने जाति गणना के तरीके पर ब्रेक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली. देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने सोमवार को 2027 में होने वाली जनगणना से जुड़ी उस जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें नागरिकों की जाति संबंधी आंकड़ों को दर्ज करने, वर्गीकृत करने और सत्यापित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए थे।

हालांकि, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने यह माना कि याचिकाकर्ता ने एक जरूरी मुद्दा उठाया है, लेकिन मामले पर न्यायिक रूप से विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि इसे जनगणना अधिनियम 1958 के आलोक में अधिकारियों द्वारा ही देखा जाना चाहिए।

एयर इंडिया के विमान में फिर 'फ्यूल स्विच' की गड़बड़ी

नई दिल्ली. एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान एक बार फिर से सुर्खियों में है। सोमवार को एयरलाइन ने बताया कि लंदन से बेंगलुरू की तरफ आने वाली फ्लाइट में फ्यूल स्विच की खराबी सामने आई, जिसके बाद उसकी उड़ान को रोक दिया गया। एयरलाइन ने इसके बारे में डीजीसीए को जानकारी दी, जिसके बाद डीजीसीए ने बाकी सारे विमानों के भी फ्यूल स्विच चेक करने का निर्देश दिया। एयरलाइन ने बताया कि सारे विमानों की जांच की गई, जिनमें कोई खराबी सामने नहीं आई है।

मोदी बोले- ये युवा शक्ति का बजट, राहुल ने कहा- युवाओं को कुछ नहीं मिला

नई दिल्ली. पीएम मोदी ने आम बजट को युवाओं को बजट बताया है। कहा कि देश में रिफॉर्म एक्सप्रेस चल पड़ी है। ये स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी को मजबूत करने का प्रयास है। सबसे बड़ी पूंजी नागरिक, इसी में निवेश किया। उधर विपक्ष ने बजट को निराशाजनक बताया। राहुल गांधी ने कहा, युवाओं के लिए रोजगार वाला बजट नहीं है। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर गिर रहा है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि यह बेहद ही बिखरा बजट है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनता को कुछ नहीं दिया।

मोदी के स्पीच की बातें

हम तेजी से बढती अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं है। बल्कि जल्द से जल्द तीसरी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है। भारत जिस रिफॉर्म्स पर सवार है, बजट से उसे नई गति मिलेगी।

सनराइज सेक्टर को जिस मजबूती के साथ महत्व दिया है वह अहम है। रेयर अर्थ कॉरिडोर, क्रिटिकल मिनिरल्स पर बल, टैक्सटाइल, हाईटेक टूल मैनुफैक्चरिंग जैसी चीजें भविष्य और वर्तमान की जरूरतों का ध्यान रखती हैं।

बजट में इंफ्रा को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर टियर टू और थ्री शहरों के विकास पर ध्यान ये सारे कदम विकसित भारत की यात्रा की गति को और तेज करेंगे। किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी नागरिक हैं। हमने इस पर निवेश किया है। हमारा प्रयास स्किल, स्केल और सस्टेनिबिलिटी को मजबूत करने पर रहा है।

सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा, यह बजट गरीबों और गांवों में रहने वालों की समझ से परे है। इस बजट में न तो नौकरी दी गई है और न ही रोजगार के अवसर। उन्होंने कहा कि ये बजट गरीब का पेट नहीं भर सकता है। नौकरी रोजगार दिए नहीं। सपने दिखाने वाला बजट है। जिस सरकार से कोई उम्मीद ही न हो, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है?

ममता बनर्जी ने बिखरा हुआ बजट बताया

पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी ने कहा, तीन कॉरिडोर के बारे में उन्होंने (वित्त मंत्री) जो कहा वह सरासर झूठ है। यह प्रोजेक्ट पहले से ही चल रहे हैं। हमने इस पर काम शुरू कर दिया है। पुरुलिया में जंगलमहल जंगल सुंदरी परियोजना के लिए, इस आर्थिक कॉरिडोर में 72,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। उन्होंने बंगाल को एक पैसा भी नहीं दिया है। सिर्फ एक ही टैक्स है, जीएसटी। दरअसल वित्त मंत्री ने आज बजट में तीन फ्रेट कॉरिडोर, डंकुनी (प. बंगाल) से सूरत (गुजरात) तक, दुर्गापुर में ईस्ट कोस्ट इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और वाराणसी से सिलीगुड़ी तक रेल कॉरिडोर के बारे में जिक्र किया।

चुनाव आयोग पहुंची ममता, SIR प्रभावित 13 परिवार भी साथ

- बोलीं- देश में कोई नहीं लड़ेगा तो मैं लड़ूंगी, मेरी पार्टी लड़ेगी

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी सोमवार को चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचीं। उनके साथ स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) प्रभावित 13 परिवार भी हैं। ममता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करने वाली हैं। इसके पहले ममता ने दिल्ली पहुंचते ही कहा कि वे SIR के मुद्दे पर लड़ाई जारी रखेंगी। अगर इस देश में कोई नहीं लड़ेगा, तो मैं लड़ूंगी, हमारी पार्टी लड़ेगी। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ममता ने दिल्ली में बंगाल के लोगों के साथ बदसलूकी का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इन मुद्दों को मजबूती से उठाएगी और

संबंधित संस्थानों से जवाब मांगेगी।

बंगा भवनों के बाहर दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती

इस बीच, हेली रोड और चाणक्यपुरी स्थित दोनों बंगा भवनों के बाहर दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती की गई है। ममता का आरोप है कि बंगा भवन में ठहरे बंगाल के लोगों को धमकाया जा रहा है। वहां भारी संख्या में पुलिस डराने के लिए तैनात की गई है। हमारा मामला सुप्रीम कोर्ट में है और चुनाव आयोग में भी हमारी बैठक है। हम आधिकारिक काम से आए हैं। लोगों की मौत हुई है, तो क्या उनके परिवार मीडिया से बात भी नहीं कर सकते?"

उन्होंने यह भी कहा कि कई परिवार SIR से प्रभावित हैं और जहां-जहां ये लोग ठहरे हैं, वहां दिल्ली पुलिस तैनात कर दी गई है। उन्होंने सवाल किया कि जब दिल्ली में धमाके होते हैं, तब पुलिस कहां होती है। यह सब ऊपर बैठे लोगों की नाकामी है। ममता ने कहा, जब मैं यहां आती हूं तो ये लोग घबरा जाते हैं। मैं चाहती तो लाखों लोगों को साथ ला सकती थी। दिल्ली को "जमींदारी जैसा" बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां गरीबों के लिए जगह नहीं है। ममता ने दिल्ली पुलिस से कहा कि SIR से प्रभावित परिवारों को परेशान न किया जाए। हम यहां न्याय के लिए आए हैं।

दलाई लामा को मिला संगीत का ग्रैमी अवॉर्ड

- US सुप्रीम कोर्ट की जज को पीछे छोड़ा

तिब्बत के शीर्ष बौद्ध गुरु दलाई लामा को पहला ग्रैमी अवॉर्ड मिला है। उन्हें यह पुरस्कार के एल्बम के लिए दिया गया है। उन्होंने बेस्ट ऑडियो बुक, नैरेशन और स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग के लिए यह अवॉर्ड जीता है। इस एल्बम का नाम 'मेडिटेशन्सः रिफ्लेक्शन ऑफ हिज होलीनेस द दलाई लामा' है। 68वें वार्षिक ग्रैमी पुरस्कार समारोह में उनके नाम का ऐलान किया गया है। वह के-पॉप और स्टीवन स्पीलबर्ग के साथ यह अवॉर्ड जीतने वालों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

बता दें कि संगीत की दुनिया में ग्रैमी अवॉर्ड बहुत प्रतिष्ठित है। यह पुरस्कार 'रिकॉर्डिंग अकैडमी की तरफ से कलाकारों और रिकॉर्डिंग से जुड़े टेक्निकल प्रोफेशनल्स को दिया जाता है। यह दलाई लामा का पहला ग्रैमी पुरस्कार है। उन्होंने इस श्रेणी में अमेरिकी उच्चतम

न्यायालय की न्यायाधीश केतनजी ब्राउन जैक्सन को पीछे छोड़ा।

'के-पॉप डेमन हंटर्स' फिल्म के गीत 'गोल्डन' ने दृश्य मीडिया के लिए लिखे गए सर्वश्रेष्ठ गीत का पुरस्कार जीता। यह पहला मौका है जब किसी के-पॉप कलाकार/समूह ने ग्रैमी जीता। गीतकारों ने पुरस्कार लेते समय अंग्रेज़ी और कोरियाई दोनों भाषाओं में अपना भाषण दिया। संगीत फिल्म का पुरस्कार 'म्यूज़िक फॉर जॉन विलियम्स' को मिला और इसी के साथ निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने अपना पहला ग्रैमी जीता और वह आधिकारिक रूप से ईजीओटी (एमी, ग्रैमी, टोनी और ऑस्कर जीतने वाले कलाकार) बन गए।

मैं आपका सलाहकार नहीं हूं

राहुल गांधी के तंज पर भड़के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला

नई दिल्ली. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में हो रही चर्चा के दौरान नेता विपक्ष राहुल गांधी ने जब पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवणे का जिक्र करते हुए डोकलाम में चीनी सेना के टैंक की उपस्थिति का उल्लेख किया तो सदन में हंगामा मच गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनके बयान पर आपत्ति जताई। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राहुल के बयान पर आपत्ति जताई। इस दौरान

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन के निमय संख्या 349 का जिक्र किया और कहा कि नेता प्रतिपक्ष इसका उल्लेख नहीं कर सकते हैं। सदन में इस पर हंगामा चलता रहा। स्पीकर ने कई बार राहुल गांधी को नियम 349 का हवाला देते हुए जनरल नरवणे की अप्रकाशित किताब का हवाला नहीं देने की हिदायत दी लेकिन राहुल गांधी बार-बार वैसा ही करते रहे।

इस दौरान, बवाल इतना बढ़ा कि राहुल गांधी ने स्पीकर ओम बिरला से कहा कि तो फिर आप ही बता दीजिए कि मुझे क्या कहना है। इस पर स्पीकर ने उन्हें नसीहत देते हुए कहा कि मैं आपका सलाहकार नहीं हूं। लेकिन आपको उसी मुद्दे पर बात करनी चाहिए, जिस पर यहां चर्चा हो रही है।

अपने नेता पर क्यों हंस रहे हैं?

- राहुल गांधी के बयान के बीच स्पीकर ने कांग्रेस सांसदों को टोका

लोकसभा के नेता विपक्ष राहुल गांधी के द्वारा चीन को लेकर दिए जा रहे बयानों पर लोकसभा में आज की कार्यवाही हंगामे से भरी रही। स्पीकर के बार-बार टोकने के बाद भी राहुल गांधी नहीं रुके और आखिरकार सदन को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले चार बजे जैसे ही सदन का कार्यवाही शुरू हुई, स्पीकर की कुर्सी पर ओम बिरला की जगह भाजपा सांसद जगदंबिका पाल नजर आए। उन्होंने राहुल गांधी को एक बार फिर से अपनी बात रखने के लिए बुलाया। कांग्रेस सांसद ने अपनी बात को शुरू करते हुए कहा कि वह पिछले कुछ घंटों से लगातार अपनी बात को रखने की कोशिश कर रहे हैं, यह बात राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हुई है। उनका इतना कहते ही कांग्रेस सांसद हंसने लगे। इस पर उन्हें टोकते हुए स्पीकर ने कहा कि आप अपने नेता के ऊपर क्यों हंस रहे हैं। उन्हें बोलने दीजिए।

भारत ने 46 रन से जीता पांचवां टी-20

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होगाःपाकिस्तान सरकार का ऐलान; ICC ने कहा- PCB अपने फैसले पर फिर विचार करे

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को मैच नहीं होगा। पाकिस्तान सरकार ने रविवार शाम को इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान किया। दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में कोलंबो में एक-दूसरे से भिड़ने वाली थीं। हालांकि, अब तक यह तय नहीं है अगर नॉकआउट में भारत सामने आया तो पाकिस्तान मैच खेलेगा या नहीं?

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने 24 जनवरी को बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी थी। ICC के इस फैसले के विरोध में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट कर दिया। जिसके बाद ICC ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है।

टूर्नामेंट खेलेंगे, लेकिन भारत से मैच नहीं- पाकिस्तान सरकार

पाकिस्तान ने रविवार को घोषणा की कि वह टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करेगा। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद लिया। बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंता जताई थी।

सरकार ने X पर एक पोस्ट में कहा, ₹इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को ICC वर्ल्ड T20 2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी देती है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

राहुल बोले- चीनी टैंक डोकलाम तक पहुंचे

- शाह ने टोका, स्पीकर ने माइक बंद कराया, सदन स्थगित

नई दिल्ली. लोकसभा में सोमवार को राहुल गांधी के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब का हवाला देते हुए कहा- डोकलाम में 4 चीनी टैंक भारत की सीमा में पहुंच गए थे।

राहुल के ऐसा कहते ही पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फिर गृह मंत्री शाह ने उन्हें टोका। इसके बाद स्पीकर ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें रोका।

राहुल करीब 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश करते रहे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

दोपहर 3 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही राहुल ने बोलना शुरू किया। लेकिन हंगामे के चलते महज 9 मिनट बाद ही कार्यवाही शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

भारत-EU डील से पाक में 1 करोड़ नौकरियां खतरे में

- पाकिस्तानी नेता बोले- हमारा जीरो-टैरिफ हनीमून खत्म
- अरबों डॉलर के नुकसान का खतरा

नई दिल्ली. भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) से पाकिस्तान में 1 करोड़ नौकरियां खतरे में हैं। उसे अरबों डॉलर के नुकसान का भी डर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने इस समझौते को लेकर गुरुवार को कहा कि वह EU के अधिकारियों के संपर्क में है। वो ये समझने की कोशिश कर रहा है

कि भारत-EU FTA का उसके निर्यात पर क्या असर पड़ेगा।

वहीं, पाकिस्तान के पूर्व वाणिज्य मंत्री गोहर एजाज ने सोशल मीडिया पर लिखा- EU के साथ पाकिस्तान का 'जीरो-टैरिफ हनीमून' खत्म हो गया है और करीब एक करोड़ नौकरियां खतरे में हैं। सरकार उद्योगों को सस्ती बिजली, कम टैक्स और आसान कर्ज दे, ताकि वे दूसरे देशों की इंडस्ट्री से मुकाबला कर सकें। भारत और (EU) ने 27 जनवरी को FTA पर साइन किए थे। इस समझौते से दो ऐसी अर्थव्यवस्थाएं एक साथ आई हैं, जो दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी, 25% ग्लोबल GDP और करीब 2 अरब लोगों का साझा मार्केट बनाती हैं।

यूरोपीय मार्केट में पाकिस्तान की बढ़त खत्म होने का खतरा

पाकिस्तान इस डील से परेशान इसलिए है क्योंकि लंबे समय से उसे यूरोपीय मार्केट में भारत पर बढ़त हासिल थी। इसकी वजह EU की GSP प्लस योजना थी। इस योजना के तहत पाकिस्तान को अपने करीब 66% उत्पादों को बिना टैक्स के यूरोप भेजने की सुविधा मिली हुई थी।

इसमें कपड़ा और रेडीमेड कपड़े जैसे सामान शामिल थे। वहीं भारत को ऐसे ही सामान पर 9 से 12% तक टैक्स देना पड़ता था। इसके बावजूद पाकिस्तान का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 6.2 अरब डॉलर रहा, जबकि भारत का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 5.6 अरब डॉलर का था। अब भारत और EU के बीच हुआ यह फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, जिसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है, भारत को यूरोप में बिना टैक्स के बड़ा बाजार देता है।

सावधान! अगर की ये गलती की तो ब्लॉक हो जाएगा आपका Amazon अकाउंट

- कंपनी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली. अगर आप Amazon से शॉपिंग करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल अब Amazon उन यूजर्स के खिलाफ सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है, जो बार-बार प्रोडक्ट्स रिटर्न करते हैं, ऑर्डर कैंसिल करते हैं या डिलीवरी आने पर प्रोडक्ट लेने से मना कर देते हैं। कंपनी का साफ कहना है कि अगर कोई यूजर इस तरह की गलत आदतें लगातार करता रहता है, तो उसका Amazon अकाउंट ब्लॉक किया जा सकता है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि अब Amazon रिटर्न और रिफंड सिस्टम के गलत इस्तेमाल को रोकना चाहता है।

इसी वजह से अब अमेजन से प्रोडक्ट आर्डर करते समय कई यूजर्स को रिटर्न करते समय स्क्रीन पर चेतावनी दिखाई जा रही है। इसमें बताया जा रहा है कि उन्होंने पहले कई बार प्रोडक्ट को रिटर्न किया है जिसे Amazon की पॉलिसी के खिलाफ माना जा रहा है। Amazon का कहना है कि रिटर्न की सुविधा ग्राहकों की मदद के लिए है, न कि इसका गलत फायदा उठाने के लिए। अगर कोई यूजर बार-बार बिना ठोस वजह के प्रोडक्ट्स लौटाता है, तो इससे कंपनी और सेलर्स दोनों को नुकसान होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब Amazon ऐसे अकाउंट्स पर नजर रख रहा है।

Amazon ने साफ किया है कि वह यूजर्स के ऑर्डर, रिटर्न और कैंसिल पैटर्न पर नजर रख रहा है। अगर किसी अकाउंट से बार-बार प्रोडक्ट्स वापस किए जाते हैं या डिलीवरी को रिजेक्ट किया जाता है, तो उस यूजर का अकाउंट ब्लॉक किया जा सकता है। चेतावनी के बाद भी यदि यूजर वैसा ही करता रहता है, तो अमेजन रिटर्न की सुविधा बैन कर सकता है, रिफंड सीमित कर सकता है या अकाउंट पूरी तरह से ब्लॉक कर सकता है।

'मियां' शब्द के प्रयोग पर भड़की जमीअत

- असम के CM सरमा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली. जमीअत उलेमा-ए-हिंद ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किया है। याचिका में सरमा के हालिया सार्वजनिक बयान को सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ बताया गया है। साथ ही संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के भाषणों के लिए एक कठोर नियामक दिशा-निर्देश तय करने की मांग की गई है।

जमीअत उलेमा-ए-हिंद ने अपने अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के माध्यम से सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका

दायर करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा के हालिया सार्वजनिक बयान को घृणा आधारित, सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ और संवैधानिक मूल्यों का खुला उल्लंघन बताया है।

याचिका में असम के मुख्यमंत्री के 27 जनवरी 2026 को दिए गए उस भाषण का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है, जिसमें उन्होंने यह दावा किया कि चार से पांच लाख 'मियां' वोटर्स को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाएगा। याचिका के अनुसार, 'मियां' शब्द असम में मुसलमानों के लिए अपमानजनक और बेइज्जती करने वाले तरीके से प्रयोग किया जाता है।

याचिका में आगे कहा गया है कि असम के मुख्यमंत्री एक ऊंचे संवैधानिक पद आसीन हैं। उनका उपरोक्त भाषण किसी भी तरह से केवल अभिव्यक्ति के दायरे में नहीं आता। इसका एकमात्र और प्रमुख उद्देश्य एक समुदाय के विरुद्ध नफरत, दुश्मनी और दुर्भावना को बढ़ावा देना है। ऐसे बयानों से सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचा है और एक विशेष समुदाय को सामूहिक रूप से निशाना बनाया गया है, जो अपने पद की गरिमा के साथ गद्दारी है।

संक्षेप...

संत तुकाराम महाराज जयंती मनाई गई

कल्याण. जगतगुरु संत तुकाराम महाराज की जयंती रविवार को कसारा शाहपुर तालुका के बोरशेटी गांव में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। प्रोग्राम की शुरुआत प्रहार पक्ष के तालुका प्रेसिडेंट वसंत पानसरे ने संत तुकाराम महाराज की तस्वीर की पूजा से की। इसके बाद अभंगगायन, प्रवचन और संत विचारों से माहौल भक्तिमय हो गया। यह प्रोग्राम कुनबी समाजोन्नति संघ, मुंबई ब्रांच शहापुर तालुका, सब-डिवीजन बोरशेटी ने ऑर्गनाइज किया था। इस मौके पर शिवसेना तालुका चीफ प्रकाश वेखंडे, लेक्चरर पुंडलिक पाटिल, प्रहार पक्ष के विनायक बोदरे, मयूर किरपान, विश्वास सतपुते और गांव के सीनियर सिटिज़न मौजूद थे।

महायुति के नगरसेवकों की बैठक में महापौर के नाम पर मंथन

केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के भतीजे सुमित पाटिल के नाम पर मुहर लगने के आसार

भिवंडी. भिवंडी मनपा महापौर की खातिर तमाम राजनीतिक दलों की जोर आजमाइश जारी है. भाजपा, शिवसेना महायुति नगरसेवकों द्वारा महापौर बनाए जाने को लेकर भिवंडी कल्याण मार्ग स्थित के एन पार्क होटल में अहम बैठक हुई. बैठक में महायुति के अधिकांश नगरसेवक शामिल हुए. महायुति नगरसेवकों की बैठक में एकजुट होकर महापौर बनाए जाने पर गम्भीर चर्चा हुई. भाजपा विधायक महेश चौगुले,भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत, भाजपा गट नेता संतोष शेट्टी एवं शिवसेना नेताओं ने एक स्वर से महायुति का ही मनपा में महापौर बनाए जाने पर जोर दिया.

सूत्रों की माने तो,भाजपा और शिवसेना महायुति के अधिकांश नगरसेवक पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के भतीजे भिवंडी मनपा के हैट्रिक पार्षद सुमित पाटिल के समर्थन में खुलकर दिखाई पड़े. बैठक में भाजपा नगरसेवक नारायण चौधरी के नाम पर गंभीर चर्चा हुई.भाजपा विधायक महेश चौगुले ने महापौर पद हेतु इच्छुक दोनों नामों को प्रदेश भाजपा शीर्ष नेतृत्व को भेजने का निर्देश जिलाध्यक्ष सावंत को दिया जिस पर महायुति के तमाम नगरसेवकों ने सहमति जताई.

गौरतलब हो कि, 90 नगरसेवकों वाली भिवंडी मनपा में मनपा चुनाव जीते राजनीतिक दलों ने महापौर चुनाव प्रक्रिया के अनुसार, कोंकण विभागीय आयुक्त कार्यालय में गट रजिस्टर की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है.भिवंडी मनपा चुनाव में कांग्रेस 30, भाजपा 22, शिवसेना 12, राष्ट्रवादी 12, समाजवादी 6, कोणार्क विकास आघाड़ी 4, भिवंडी विकास आघाड़ी 3 सहित 1 निर्दल नगरसेवक ने मनपा चुनाव में जीत दर्ज की है. महापौर चुनाव में जीत की खातिर 90 नगरसेवकों में से 46 का जादुई आंकड़ा चाहिए. महापौर होने की खातिर किसी भी राजनीतिक दल के पास बहुमत का आंकड़ा नहीं होने से सपा, कोणार्क विकास आघाड़ी,भिवंडी विकास मंच के कंधे का ही सहारा है.

देखना दिलचस्प होगा कि आगामी दिनों में धनबल से बहुमत हासिल कर महायुति अथवा अन्य राजनीतिक दल से कौन महापौर और उप महापौर का दावेदार होगा ?

ठाणे में महिलाओं की कार-बाइक रैली से जागरूकता का संदेश

ठाणे. इस भावना के साथ कि सड़क पर हर जिंदगी सुरक्षित हो, महिलाओं का सफ़र सुरक्षित हो और बीमारी के बजाय जागरूकता फैले ठाणे आरटीओ कार्यालय ने रविवार को ठाणे में महिलाओं की कार और बाइक रैली निकाली। इस रैली ने सड़क सुरक्षा सप्ताह ट्रैफिक नियमों का पालन करने और सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता का इमोशनल संदेश दिया।

ठाणे आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के गाइडेंस में, यह रैली सुबह 9 बजे आरटीओ कार्यालय से शुरू हुई और नितिन जंक्शन - कैडबरी जंक्शन - उपवन लेक - काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह के रास्ते से गुजरते हुए वापस आरटीओ कार्यालय पर खत्म हुई।

इस पहल में 55 महिला कार ड्राइवर और 70 टू-व्हीलर (बाइक/स्कूटर) महिला और पुरुष ड्राइवरों ने जोश के साथ हिस्सा लिया। हिस्सा लेने वाली गाड़ियों के आगे रोड ट्रैफिक नियमों और सर्वाइकल कैंसर की जागरूकता वाले पोस्टर लगाए गए थे, जिन्होंने शहर के बड़े चौराहों पर लोगों का ध्यान खींचा। इस रैली में डॉ. वाणी परमार (किम्स हॉस्पिटल), इनरव्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन लक्ष्मी सिंह, ठाणे आईएमआई प्रेसिडेंट डॉ. सुनील बुधलानी, लायंस क्लब ठाणे प्रेसिडेंट किरण गुलानी, और पिंक होलिक इंडिया टीम की अजीत कौर ढिल्लन और जयश्री शेलार मौजूद थीं।

कॉम्पिटिशन के तहत, पहले स्थान पर रहने वाली महिला कार ड्राइवर को Rs. 5000, दूसरे स्थान पर रहने वाली को Rs. 3000, और तीसरे स्थान पर रहने वाली को Rs. 2000, एक मेडल और एक सर्टिफिकेट दिया गया।

पूर्वेश सरनाईक की पहल पर नोटबुक वितरण

■ ओवला-मजीवाड़ा में 1 लाख नोटबुक बांटी गईं

ठाणे. डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के जन्मदिन पर, युवा सेना कार्याध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक के मार्गदर्शन में ओवला-माजीवाड़ा परिसर में स्कूल विद्यार्थियों को 1 लाख नोटबुक वितरण किया गया।वितरण के दौरान पूर्वेश सरनाईक ने कहा कि सीनियर नेताओं का जन्मदिन सिर्फ धूमधाम से मनाने का दिन नहीं है, बल्कि समाज के लिए समाज सेवा करने का एक अहम मौका है। जन्मदिन मनाने का असली मकसद जरूरतमंद छात्रों की पढ़ाई में मदद करना और उनके उज्ज्वल भविष्य में योगदान देना है। जनता से मिला आशीर्वाद हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान है।31 जनवरी को लोकमान्य नगर, वर्तक नगर, भीम नगर, शिवाई नगर, कोंकणी पाड़ा, वसंत विहार आदि जगहों में नोटबुक वितरण की गईं। 1 फरवरी को नलपाड़ा, गांधीनगर, माजीवाड़ा गांव, ओवाला, वाघबिल और आनंदनगर इलाकों में नोटबुक वितरण किया।

आवारा कुत्ते के काटने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत

भिवंडी. भिवंडी शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक वर्ष में जहां 11 हजार 37 लोगों को कुत्तों ने काटा है, वहीं अब एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। आवारा कुत्ते के काटने से घायल 12 वर्षीय बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृत बच्चे का नाम हामिद सद्दाम खान बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर के ईदगाह परिसर में 10 जनवरी को घर के बाहर खेलते समय एक आवारा कुत्ते ने हामिद पर हमला कर उसके चेहरे और गर्दन के पास काट लिया था। इसके बाद उसे स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में तबीयत बिगड़ने पर 27 जनवरी को उसे आगे के इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां उपचार के दौरान 31 जनवरी को उसकी मौत हो गई। इस घटना से पूरे परिसर में शोक की लहर है और एक बार फिर भिवंडी में आवारा कुत्तों की गंभीर समस्या सामने आ गई है। उल्लेखनीय है कि पालिका का श्वान नसबंदी केंद्र पिछले 12 वर्षों से बंद था, जिसे पिछले वर्ष पुनः शुरू किया गया। इसके बावजूद शहर में आवारा कुत्तों का आतंक कम नहीं हुआ है। केवल जनवरी महीने में ही 1,062 लोगों को कुत्तों ने काटा है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक रईस गई।

शेख ने कहा कि भिवंडी जैसे बड़े शहर में आवारा कुत्तों की समस्या अत्यंत गंभीर है। उपजिला अस्पताल में समय पर एंटी-रेबीज वैक्सीन उपलब्ध न होने के कारण यह स्थिति बनी है और एक मासूम को अपनी जान गंवानी पड़ी है। उन्होंने इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग शासन से करने की बात कही है।

वहीं स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल की अधीक्षक डॉ. माधवी पाडरे ने बताया कि हामिद खान को समय पर अस्पताल में भर्ती कर तीनों इंजेक्शन डोज नियमानुसार दिए गए थे। 27 जनवरी को उसे सांस लेने में तकलीफ होने पर परिजन उसे अस्पताल लाए थे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद आगे के इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल भेजा गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई.

गांवठाण पर इंसाफ; चेंदनी कोलीवाड़ा की लड़ाई रंग लाई

■ कोली समुदाय ने सरकार के फैसले का स्वागत किया

ठाणे. ऑल इंडिया कोली सोसाइटी, ठाणे डिस्ट्रिक्ट ने सरकार के उस फैसले का स्वागत किया है जिसमें कोंकण तट पर पारंपरिक कोलीवाड़ा के अस्तित्व और अधिकारों को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है, जिसमें चेंदानी कोलीवाड़ा भी शामिल है। कोलीवाड़ा का फिजिकल सर्वे और सीमांकन करने के फैसले से वहां पीढ़ियों से रह रहे कोली परिवारों को अतिक्रमणकारी घोषित करने की गतिविधियों पर रोक लगेगी।

ठाणे ईस्ट के चेंदानी कोलीवाड़ा में, कोली समुदाय ने स्लम रीडेवलपमेंट, क्लस्टर डेवलपमेंट और सड़क चौड़ीकरण के नाम पर पारंपरिक गांवठाणा पर आने वाले प्रस्तावों का कड़ा विरोध किया था। इस पृष्ठभूमि में, सरकार ने मुंबई, सबअर्बन, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में कोलीवाड़ा की सीमाओं का सीमांकन करने के लिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाने का फैसला किया है।

चेंदनी कोलीवाड़ा, ठाणे शहर में असली कोली समुदाय का पारंपरिक गांव का इलाका है, और महाराष्ट्र लैंड रेवेन्यू एक्ट, 1966 के तहत बड़े गांव के इलाके के अधिकार अब लागू करने के लिए साफ़ हो गए हैं। इसलिए, गांव के इलाके पर स्लम रीडेवलपमेंट प्लान थोपने की कोशिशें बेकार होने की संभावना है।

ऑल इंडिया कोली सोसाइटी के प्रेसिडेंट आनंद प्रभाकर कोली ने ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को दिए एक रिप्रेजेंटेशन में इस फैसले को लागू करने के बारे में ज़रूरी सुझाव दिए हैं। यह मांग की गई है कि लोकल सोशल ऑर्गनाइज़ेशन, रजिस्टर्ड कोली ऑर्गनाइज़ेशन और पारंपरिक जमात पंचायतों को डिमार्केशन प्रोसेस में शामिल किया जाना चाहिए।

शहीदों को श्रद्धांजलि

ठाणे. ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के तहत, स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में देश की आज़ादी के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर संदीप मालवी, डिप्टी कमिश्नर उमेश बिरारी, पीआर. डिप्टी पब्लिक रिलेशन ऑफिसर प्राची डिंगणकर और ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अलग-अलग डिपार्टमेंट के कर्मचारी मौजूद थे।

भिवंडी मनपा मार्केट प्रभारी विभाग प्रमुख का अजीबोगरीब कारनामा

मनपा खजाने में पैसा जमा करने भटक रहे लोग

भिवंडी. भिवंडी मनपा परवाना, मार्केट प्रभारी विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी द्वारा बगैर रिश्वत लिए लोगों का कोई भी कार्य नहीं किए जाने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है.उसकी भ्रष्ट कार्यप्रणाली और मनमानी से मनपा तिजोरी में पैसा नहीं जमा होने से राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है.कई पीड़ितों ने बताया कि,पुण्यार्थी बगैर पैसा लिए कभी कोई काम लोगों का नहीं करता है.बारम्बार कहने के बाद भी आज कंप्यूटर चालक नहीं, क्लर्क नहीं कहकर लोगों को अनायास परेशान कर रिश्वत देने पर मजबूर करता है.मार्केट,परवाना विभाग में कई लोग पैसा भरने आते हैं लेकिन पैसा भुगतान की रशीद ही नहीं मिलती जिससे लोग थकहार कर पैसा लेकर वापस लौट जाते हैं.एकाउंट में जमा होने वाले पैसे की भुगतान रशीद मार्केट विभाग से नहीं मिलने से मनपा राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है.पीड़ित लोगों का कहना है कि,मार्केट,परवाना विभाग की वसूली न के बराबर है.आरोप है कि,पुण्यार्थी मनपा टैक्स वसूली पर कम और जेब भरने पर अधिक ध्यान देता है. शीर्ष अधिकारियों से लेनदेन, जोड़तोड़ कर स्नेहल पुण्यार्थी कई अहम विभागों का प्रभारी विभाग प्रमुख होकर भ्रष्टाचार को अंजाम देकर मनपा तिजोरी को भारी चूना लगा रहा है. मार्केट और परवाना विभाग में फैले भारी भ्रष्टाचार से मनपा तिजोरी का भारी नुकसान हो रहा है. समाजसेवी देवाशीष हेगड़े सहित कई लोगों ने मनपा आयुक्त अनमोल सागर, अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके, विभागीय उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर से सेवा कार्यों में भ्रष्टाचार और मनपा कार्य पारदर्शिता से अंजाम नहीं देने वाले प्रभारी मार्केट विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी को तत्काल पद से हटाए जाने की मांग की है.

ठाणे में चोरी का आरोपी पुलिस हवालात से फरार

ठाणे. ठाणे जिले में चोरी के एक मामले का आरोपी पुलिस हवालात से भाग गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटना रविवार सुबह नवघर थाने में हुई। आरोपी की पहचान भायंदर क्षेत्र के आज़ाद नगर के निवासी अब्दुल वाजिदली मनियार के रूप में हुई है। उसे शनिवार रात नवघर इलाके में एक घर में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

नवघर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार सुबह नौ बजकर 19 मिनट पर परिसर की नियमित सफाई के दौरान आरोपी पुलिस हवालात से भाग गया । उन्होंने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

अधिकारी के अनुसार, आरोपी के फरार होने की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि कहीं सुरक्षा या निगरानी में कोई चूक तो नहीं हुई।

आम सूचना

हम श्रीमती गीता गोपाल जाधव व श्री गोपाल मोहन जाधव सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, आनंद मुत्तू नगर, बैरक नं. 30 के सामने, एसईएस हायस्कूल के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 08एओ01487701) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती प्रतिभा छगन सुरवाडे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 31.1.2026 सी.नं. 493/2026 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्रीमती गीता गोपाल जाधव
व श्री गोपाल मोहन जाधव

‘बॉर्डर 2’ के बाद अहान शेट्टी का बड़ा कदम

■ डायरेक्टर शाद अली की फिल्म साइन की

■ इंटेंस एक्शन-लव स्टोरी पर आधारित मूवी

बॉलीवुड अभिनेता अहान शेट्टी ‘बॉर्डर 2’ की बड़ी सफलता को एन्जॉय कर रहे हैं, और अब उनके करियर में एक और बड़ा कदम आगे बढ़ा है। अनुराग सिंह निर्देशित ‘बॉर्डर 2’ ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है और दर्शकों का भरपूर प्यार बटोरा है।इस फिल्म में अहान की एक्टिंग को विशेष रूप से सराहा जा रहा है, जिससे उनकी मांग और भी बढ़ गई है।

अब अहान शेट्टी ने मशहूर निर्देशक शाद अली के साथ उनकी अगली फिल्म साइन कर ली है। यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा होगी, जिसमें अहान खुद को एक अलग किस्म के किरदार में पेश करेंगे। शाद अली उन निर्देशकों में से हैं। जिन्होंने ‘साथिया’, बंटी और बबली, और ‘झूम बाराबर झूम’ जैसी कई फिल्मों का निर्देशन किया है।

अहान ने इस नए प्रोजेक्ट के बारे में मिड-डे को दिए इंटरव्यू में कहा है कि यह फिल्म एक इंटेंस एक्शन-लव स्टोरी होगी, जो उन्होंने 2021 की फिल्म ‘तड़प’ के बाद आगे बढ़ने के लिए चुनी है। वे बताते हैं कि ऐसे किरदार जिनमें भावना और गहराई होती है, उन्हें निभाना उन्हें पसंद है और वे इस फिल्म का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हैं।सूत्रों की मानें तो फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और फिल्मांकन का काम इस साल की गर्मियों यानी मार्च-अप्रैल के आसपास शुरू होने की संभावना है। प्रोडक्शन टीम अभी स्क्रिप्ट और म्यूजिक पर काम कर रही है और जल्द ही फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के चयन की प्रक्रिया भी शुरू होने वाली है।

अंतरमहाविद्यालयीन शोध सम्मेलन में SST कॉलेज के विद्यार्थियों को प्रथम पुरस्कार

उल्हासनगर. एस.एस.टी. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के विद्यार्थियों ने अंतरमहाविद्यालयीन शोध सम्मेलन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हुए प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। “Low-Cost Arduino-Based UAV Communication & Control System” नामक नवोन्मेषी शोध परियोजना के लिए यह सम्मान प्राप्त हुआ है, जिससे तकनीकी क्षेत्र में कॉलेज की उत्कृष्टता एक बार फिर प्रमाणित हुई है।

इस शोध परियोजना का प्रस्तुतीकरण टी.वाई.बी.एससी. (सी.एस.) के विद्यार्थी ओंकार गुप्ता और अभय भाजपई ने किया। उन्हें विभाग की प्रा. स्वाती पिल्लई का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कम लागत में यूएवी (ड्रोन) संचार और नियंत्रण प्रणाली विकसित करने पर आधारित यह परियोजना नवाचारी, उपयोगी तथा भविष्य की तकनीक की दृष्टि से महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।

सम्मेलन के निर्णायकों ने परियोजना की तकनीकी सटीकता, सरल संरचना, कम लागत में क्रियान्वयन तथा व्यावहारिक उपयोगिता की विशेष सराहना की। इस सफलता से विद्यार्थियों की शोध क्षमता को प्रोत्साहन मिला है और कॉलेज में शोध-संस्कृति और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

इस उपलब्धि पर कॉलेज की ओर से विद्यार्थियों को बधाई दी गई। खेल, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ शोध के क्षेत्र में भी कॉलेज ने अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की।

इस साल का बजट प्रस्ताव विकसित भारत का मंत्र - संजय केलकर

ठाणे. इस साल का बजट प्रस्ताव एक विकसित भारत का मंत्र है। मुझे लगता है कि यह बजट प्रस्ताव उस बात का कमिटमेंट है जो देश के विश्व गुरु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दस सालों से देते आ रहे हैं। क्योंकि यह बजट प्रस्ताव दिखाता है कि यह बजट सभी हिस्सों को न्याय देकर विकसित भारत, कल के भारत को तेज़ी देगा। क्योंकि इसमें युवाओं, महिलाओं, किसानों, उद्यमियों समेत सभी हिस्सों को आगे बढ़ाने के लिए जो कुछ भी करने की ज़रूरत है, उसके लिए कई तरह की स्कीम हैं। कई तरह के फंड की भी व्यवस्था है। और सबसे ज़रूरी बात, ट्रांसपोर्टेशन के मामले में, यह बजट प्रस्ताव स्वदेशी के कॉन्सेप्ट को और मज़बूती देने के लिए पेश किया गया है, जिसे वॉटरवे, हाईवे, रेलवे के लिए बड़े प्रोविज़न करके आगे लाया गया है। मेरा पक्का यकीन है कि भले ही दुनिया में आर्थिक संकट हों, भारत का यह बजट तरक्की करेगा और विकसित भारत को रफ़्तार मिलेगी। और यह बजट हमारे विकसित भारत के सपने को पूरा करने में बहुत बड़ा सपोर्ट देगा।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099